18 / 06 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

योग की पावरफुल स्टेज का अनुभव

➢➢ मैं ईश्वरीय संतान हूँ...

➳_ ➳ मैं आत्मा बाप की हर आज्ञा का पालन कर रही हूँ...

➳_ ➳ मैं बाबा का आज्ञाकारी बच्चा हूँ...

➳_ ➳ वफादार बच्चा हूँ...

➳_ ➳ ज्ञान और योग की हर विशेषता को अपने जीवन में धारण कर रही हूँ...

→ मैं रूहानी मिलन मनाने के लिए वरदान भूमि पर आई हूँ..

→ मैं वाणी से परे अव्यक्त स्थिति में स्थित हूँ...

→ इस स्थिथि द्वारा सर्व की सेवा के निमित्त बन रही हूँ...

- मैं मास्टर सर्व शक्तिवान आत्मा हूँ...
- मास्टर नोलेजफूल हूँ...
- विश्व कल्याणकारी हूँ...
- महादानी आत्मा हूँ...
- वरदानी मूर्त हूँ..
- सर्व की कामनाये पूर्ण कर रही हूँ..

➢➢ मैं एवररेडी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ डायरेक्शन मिलते ही एक सेकंड में स्वयं को उस स्थिति में स्थित कर सकती हूँ...

➳_ ➳ मैं सभी आत्माओं को योगी बनो ज्ञानी बनो, का सन्देश दे रही हूँ...

➳_ ➳ मैं योगी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ निरंतर योगी हूँ...

→ बाबा की योग के लिए बताई गयी युक्तियों को अम्ल में ला रही हूँ...

→ और सहजयोगी आत्मा बन रही हूँ...

→ मैं सागर का बचचा मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ...

→ ब्राह्मण जीवन के आधार हिम्मत के आधार पर आगे बढ़ रही हूँ...

→ मैं अंतर्मुखी हो हर शक्ति की स्वयं में धारणा कर रही हूँ..

→ एक एक शक्ति का विस्तार कर रही हूँ...

→ अभ्यास कर रही हूँ...

→ मास्टर बन स्वयं का पेपर ले रही हूँ...

→ मैं सदा अभ्यास में बिजी हूँ...

→ मेरी व्यर्थ की कम्प्लेन समाप्त हो रही है...

→ मैं अन्तर्मुखी आत्मा सदा हर्शित्मुखी बन रही हूँ..

- मैं सहजयोगी हूँ...
- राजयोगी हूँ...
- कर्मयोगी हूँ...
- निरंतर योगी हूँ...
- हर शक्ति, ज्ञान की पॉइंट का अभ्यास कर रही हूँ...
- अभ्यास से शक्तिशाली आत्मा बन रही हूँ...
- मैं सदा एक की लगन में मगन हूँ...
- इस अग्नि से मेरे सभी विघ्न नष्ट हो रहे हैं...
  - मैं सागर की गहराई में जाकर अनुभव के अनमोल रत्न प्राप्त कर रही हूँ...
  - मेरा तो बस एक बाबा दूसरा न कोई..
  - मैं श्रेष्ट और विशेष आत्मा हूँ...
  - बाबा का फरमानदार बच्चा हूँ...